पाठ ३ मन करता है

कविता का सारांश

कविता में कवि कहता है कि बालक का मन सूरज के समान बनकर आकाश में दौड़ लगाना चाहता है और चाँद के समान बनकर सितारों पर गर्व दिखाना चाहता है। बालक दादा के समान बनकर सभी को डाँटना चाहता है। वह अपने पिता की तरह मूँछ भी रखना चाहता है। बालक तितली बनकर दूर-दूर तक उड़ना चाहता है और कभी-कभी कोयल बनकर मीठे-मीठे बोल सुनाना चाहता है । वह चिड़िया के समान बनकर चीं चीं चूँ चूँ करके शोर मचाना चाहता है। बालक कभी-कभी चर्खी लेकर पीली लाल पतंग उड़ाना चाहता है| इस प्रकार यह बालक बहुत सारी कल्पनाओ को लेकर अपने सपनो को पूरा करना चाहता है।

शब्दार्थ

सूरज – सूर्य,रवि

चंदा - चाँद

अकड़ – घमंड

बाबा - दादा जी

धौंस – धाक

बोल – वाणी, वचन

चर्खी - पतंग का धागा लपेटने की फिरकी

प्रश्न - अभ्यास

कहानी में

प्रश्न 1. तुम पर कौन-कौन धौंस जमाता है? क्यों?

(क) घर में

(ख) स्कूल में

उत्तर-

(क) घर में - माता-पिता, बड़े भाई-बहन धौंस जमाता हैं| माता-पिता शरारत करने या जिद करने पर और स्कूल न जाने पर धौंस जमाते हैं| बड़े भाई-बहन अपने बड़े होने की धौंस जमाते हैं|

(ख) स्कूल में - मॉनिटर तथा मैडम धौंस जमाते हैं| मॉनिटर हमेशा मैडल से शिकायत करने की धौंस जमाता है| मैडम शरारत करने पर धौंस जमाती हैं|

प्रश्न 2. मन करता है चिड़िया बनकर

चीं-चीं, चूँ-चूँ शोर मचाऊँ

तुम्हारा मन कब-कब चिड़िया बन जाने को करता है?

उत्तर- मेरा मन तब-तब चिड़िया बन जाने को करता है जब-जब मैं चिड़िया को प्रसन्नता से चीं-चीं, चूँ-चूँ करके शोर मचाते हुए देखती हूँ| मैं जब चिड़िया को घर के आँगन में दाना खाते देखती हूँ तब मेरा मन चिड़िया बन जाने को करता है|

प्रश्न 3. कौन किस पर अकड़ जमाता होगा?

(क) आसमान में _____

(ख) जंगल में _____

(ग) नदी में _____

(घ) खेल में _____

(ङ) स्कूल में _____

(च) घर में _____

उत्तर-

(क) आसमान में बाज पक्षियों पर अकड़ जमाता होगा|

(ख) जंगल में शेर बाकी जानवरों पर अकड़ जमाता होगा|

(ग) नदी में मगरमच्छ मछलियों पर अकड़ जमाता होगा|

(घ) खेल में बड़े लड़के छोटों पर अकड़ जमाता होंगे|

(ङ) स्कूल में मॉनिटर, अध्यापक या प्रधानाचार्य सब पर अकड़ जमाते होगें।

(च) घर में माता-पिताजी, बड़े भाई-बहन अकड़ जमाते होगें।।

मूँछ

तुमने तरह-तरह की मूँछे देखी होंगी| यहाँ तुम्हारे लिए एक मूँछ बनी है| कुछ मूँछे तुम भी बनाओ और सभी मूँछों को अपने मन से नाम दो|

उत्तर-

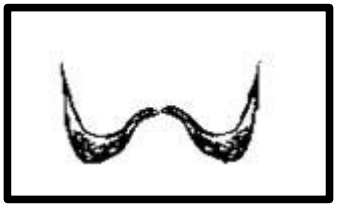

राजपूती मूँछ

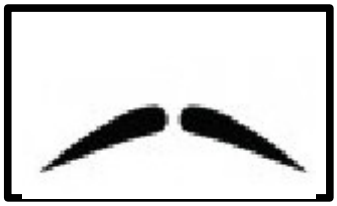

तलवार मूँछ

चीनी मूँछ

पता करो

प्रश्न- तुम्हारे घर और स्कूल में किसका क्या करने का मन करता है? लिखो और अपनी सूची अपने साथियों से मिलाकर देखो|

नाम	मन करता है

उत्तर-

नाम	मन करता है
अक्षित	कर चलाने को
पारुल	हवाई जहाज में बैठने को
अभिषेक	खेलते रहने को
शोर्य	अधिक देर तक सोने

चलो, पतंग बनाएँ

सामान – तुम्हे चाहिए कोई पतला कागज़, झाड़ू की तीलियाँ, गोंद, टेप, कैंची|

तरीका–

(क) कागज़ को चौकोर काटो।

(ख) उसमें गोंद या टेप से दो तीलियाँ चिपका लो, जैसा चित्र में दिखाया गया है।

(ग) तीली के निचले हिस्से में पूँछ के लिए एक तिकोना टुकड़ा काटकर चिपका दो।

(घ) पतंग तैयार है।

उत्तर-

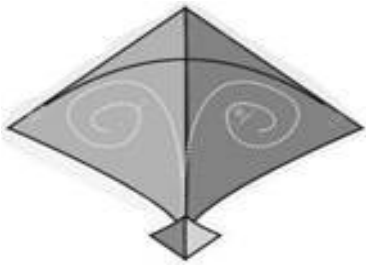

पहेली

कागज़ का घोड़ा, धागे की लगाम
छोड़ दो धागा, तो करे सलाम|
- पतंग

सोचो और बताओ

प्रश्न 1. सूरज आसमान में दौड़ क्यों लगाता होगा?

उत्तर – सूरज आसमान में सारे संसार को प्रकाश देने के लिए दौड़ लगाता होगा|

प्रश्न 2 . चिड़ियाँ शोर क्यों मचाती होंगी?

उत्तर- चिड़ियाँ प्रसन्नता से भर कर शोर मचाती होगी|

प्रश्न 3. चंदा तारों पर क्यों अक ड़ता होगा?

उत्तर – चंदा का प्रकाश अन्य तारों से अधिक होता है, इसलिए वह तारों पर अकड़ता होगा|

प्रश्न 4. दादा घर में कैसे धौंस जमा ते होंगे?

उत्तर – दादा घर में टोका-टाकी करके धौंस जमाते होंगे|

शोर

प्रश्न- एक मिनट के लिए आँखें बंद करके बिल्कुल चुपचाप बैठ जाओ | ध्यान से आस – पास की आवा जें सुनो|

(क) अब आँखे खोलो | क्या याद है, तुमने किस-किस की आवाज सुनी थी? नीचे उनके नाम लिखो|

कितने नाम, कितने काम?

उत्तर – बस, साइकिल, खेलते बच्चों की, अनिश की, घंटी की, हवाई जहाज की|

(ख) इनमे से कौन-कौन बहुत शोर मचा रहे थे|

उत्तर – हवाईजहाज, बस, खेलते बच्चे, घंटी|